उमा भारती
UMA BHARTI

जल संसाधन, नदी विकास
एवं गंगा संरक्षण मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली–110001
MINISTER OF WATER RESOURCES
RIVER DEVELOPMENT AND
GANGA REJUVENATION
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI - 110001

सन्देश

30 JULY, 2015

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी शुभकामनाएं।

राजभाषा के रुप में हिन्दी का विकास निरन्तर तीव्र गति से हो रहा है। भारत का प्राण यहाँ की विविधता में निहित है। भाषा विविधता की मौजूदगी में सभी भारतीय भाषाओं को पर्याप्त रूप से महत्व देते हुए हिन्दी का विकास किया जाना चाहिए। विपुल शब्द–भण्डार युक्त हिन्दी एक सरल, व्यावहारिक एवं जीवंत भाषा है।

हमारा देश अनेक भाषा–भाषी एवं संस्कृतियों से जुड़ा हुआ है। हिन्दी एक सेतु के रूप में काम कर रही है, जो भारत की विभिन्न संस्कृतियों, कलाओं, भाषाओं, विधाओं और सम्प्रदायों को आपस में जोड़ती है।

देश के महान विचारकों एवं दार्शनिकों ने काफी चिंतन तथा मनन करने के बाद हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। अत: राजभाषा कार्यान्वयन हमारा संवैधानिक दायित्व है एवं इसकी सार्थकता हमारी निष्ठा पर निर्भर करती है। जनता का काम जनता की भाषा में सम्पन्न हो; सरल एवं सुबोध हिन्दी में हो।

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय में **''हिन्दी पखवाड़ा''** समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर हम संकल्प लें कि हम अपने कामकाज में राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करके संविधान के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण भावना का परिचय देंगे।

हार्दिक शुभकामनाएं

भवदीया,

(उमा भारती)

Room No. 210, Shram Shakti Bhawan, New Delhi - 100 001
Tel.: (011) 23711780, 23714663, 23714200, Fax : (011) 23710804
E-mail : minister-mowr@nic.in

प्रो. सांवर लाल जाट
PROF. SANWAR LAL JAT

जल संसाधन, नदी विकास
एवं गंगा संरक्षण राज्य मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली-110001
MINISTER OF STATE FOR
WATER RESOURCES
RIVER DEVELOPMENT AND
GANGA REJUVENATION
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI - 110001

संदेश

31 July, 2015

प्रिय साथियों,

हिन्दी का प्रयोग बढ़ाना हम सभी का उत्तरदायित्व है। सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग में प्रगति हुई है। राजभाषा विभाग का प्रयास है कि सरकारी कामकाज में मूल टिप्पण, प्रारूपण और पत्राचार आदि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार हिन्दी में हो।

हिन्दी को राजभाषा के रूप मे स्वीकारने का मुख्य उद्देश्य है जनता का काम जनता की भाषा में सम्पन्न हो। प्रशासन की भाषा में क्लिष्ट भाषा शैली के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। सरल हिन्दी का प्रयोग करते हुए हम राजभाषा के रूप में, हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा दे सकते हैं। सरकारी कामकाज में प्रचलित आम बोल-चाल के हिन्दी शब्दों का प्रयोग किए जाने से भाषा अधिक सहज एवं सुबोध होगी और कार्यालयों में हिन्दी भाषा की स्थिति और सुदृढ़ हो जाएगी।

हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अपनाने के संवैधानिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए यह आवश्यक है कि मंत्रालय के सभी अनुभागों और कार्यालयों में हिन्दी में टिप्पण तथा पत्राचार में वृद्धि हो। मैं सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुरोध करता हूँ कि वे राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भरसक प्रयास करें।

'हिन्दी पखवाड़े' के इस शुभ अवसर पर आप सभी को बधाई देता हूँ और 'हिन्दी पखवाड़े', की सफलता की कामना करता हूँ।

भवदीय

(प्रो. सांवर लाल जाट)

215, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली - 110 001
दूरभाष : (011) 23708419, 23718759 फैक्स : 011-23354496
215, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi - 100 001
Tel.: (011) 23708419, 23718759 Fax : 011-23354496
E-mail : mos-mowr@nic.in

शशि शेखर
SHASHI SHEKHAR, IAS
सचिव
SECRETARY
TEL.: 23710305
FAX : 23731553
E-MAIL : secy-mowr@nic.in

भारत सरकार
जल संसाधन, नदी विकास
एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय
श्रम शक्ति भवन
रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF WATER RESOURCES,
RIVER DEVELOPMENT AND
GANGA REJUVENATION
SHRAM SHAKTI BHAWAN
RAFI MARG, NEW DELHI - 110001
http : //www/wrmin.nic.in

दिनांक 05 अगस्त, 2015

अपील

हिन्दी अपनी सरलता, सहजता, बोध-गम्यता और समन्वय की भावना से प्रगति करती रहती है। यह आज समस्त भारत की सम्पर्क भाषा बन गई है। हिन्दी भारत जैसे विविधता वाले देश की राष्ट्रीय एकता और अस्मिता का सबसे शक्तिशाली एवं प्रभावी माध्यम है। इसी कारण से, हिन्दी का प्रयोग बढ़ाना एक राष्ट्रीय कार्य है।

संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में मूलभूत प्रगति हुई है। राजभाषा नीति का कार्यान्वयन प्रेरणा, प्रोत्साहन और सद्भावना पर आधारित है और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हमें इसी दिशा में निरन्तर प्रयास करने होंगे। मैं सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने कामकाज में राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करके संविधान के प्रति अपनी निष्ठा, समर्पण भावना और आत्मसम्मान का पूरा परिचय दें। हिन्दी में काम करने की भावना केवल 'हिन्दी पखवाड़े' तक समिति नहीं रहनी चाहिए; पूरे वर्ष हिन्दी मे कार्य किया जाना चाहिए।

मुझे आशा है कि जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय में 'हिन्दी पखवाड़ा' समारोह के अंतर्गत होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक अधिकारी और कर्मचारी भाग लेंगे और यह आयोजन हिन्दी में काम करने के लिए आप सभी को उत्साह और प्रेरणा प्रदान करेगा।

इस अवसर पर, मै आप सभी को बधाई देता हूँ और 'हिन्दी पखवाड़े' की सफलता की कामना करता हूँ।

भवदीय,

(शशि शेखर)